

डॉ. के. श्रीनिवासराम
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture



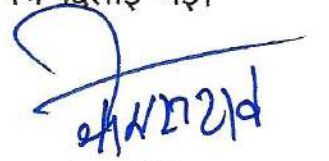
प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी द्वारा स्वच्छता पखवाड़े पर व्याख्यान आयोजित

**साहित्यकारों को नैतिक स्वच्छता प्रस्तुत करने का दायित्व निभाना
चाहिए - अशोक लव**

नई दिल्ली 22 अप्रैल 2024; साहित्य अकादेमी में मनाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत आज "साहित्य में स्वच्छता की अवधारणा" विषय पर प्रख्यात साहित्यकार अशोक लव के द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। तृतीय तल स्थित सभाकक्ष में हुए इस व्याख्यान के आरंभ में अशोक लव का स्वागत साहित्य अकादेमी के उपसचिव प्रशासन कृष्णा किंबहुने ने अंगवस्त्रम और साहित्य अकादेमी के प्रकाशन भेंट करके किया।

अपने वक्तव्य में साहित्यकार अशोक लव ने अपने लेखन और विभिन्न साहित्यकारों से हुए संपर्क के संस्मरणों के आधार पर कहा कि हर साहित्यकार के समाज के प्रति कुछ दायित्व होते हैं जिनका उसे पूरी सजगता से पालन करना चाहिए। इसमें समाज के नैतिक आचरण की स्वच्छता को बरकरार रखना उसकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। नैतिक स्वच्छता की प्रस्तुति के कारण ही कोई रचना पूरे परिवार द्वारा पढ़ी जा सकती है। साहित्य अकादेमी ऐसे ही संस्कार देने वाली संस्था है। चरित्र की स्वच्छता को चित्रित करना ही साहित्यकार का प्रमुख लक्ष्य होना चाहिए। आगे उन्होंने कहा कि उन्हीं लेखकों का साहित्य अमर है जिन्होंने यथार्थ को इस तरह से प्रस्तुत किया जिसे हर कोई पाठक बिना किसी संकोच के पढ़ सके। इससे पहले साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराम द्वारा कार्यालय के सभी कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई।


(के. श्रीनिवासराम)